1.7 समस्या का संक्रियात्मक परिभाषीकरण
Operational definition of the Problem research

समस्या के संक्रियात्मक परिभाषीकरण से तात्पर्य होता है उसके अध्ययन क्षेत्र का वास्तविक रूप में प्रतिपादन। इसके तहत तीन मुख्य कार्य अपेक्षित हैं: समस्या में निहित चरों का उल्लेख करना, चरों को वर्णन करने हेतु प्रयुक्त पदों की पहचान करना, तथा चरों का अर्थ निर्देशित करनेवाले सम्प्रत्ययों का निर्धारण करना। अनुसंधानकर्ता को यह जरूरत होती है कि वह अपनी अनुसंधान समस्या को बहुत ही संक्षिप्त और स्पष्ट शब्दों में परिभाषित और उसका कथनीकरण करते हुए यह लेखनबद्ध तरीके से बताएँ कि सही मायने में उसकी समस्या क्या है?

Scanned with CamScanner